मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 122, मुंबई, शनिवार, 26 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस का खतरा

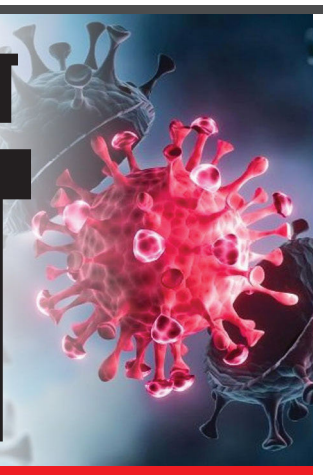

रत्नागिरी जिले में हुई इस वैरिएंट से पहली मौत

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के डेल्टा प्लस वैरिएंट से पहली मौत हुई है। यहां रत्नागिरी में कई दिन से संक्रमित चल रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग ने देर रात दम तोड़ दिया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस वैरिएंट के 21 मरीजों में से 1 की मौत हो गई। टोपे के मुताबिक, मृतक कुछ अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पॉजिटिविटी रेट घटकर 0.15 फीसदी पर आने के बावजूद 7 जिलों ने बढ़ाई सरकार की चिंता, अलग से एक्शन की तैयारी शुरू

नए खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने फिर बढ़ा दी...

पाबंदियां

मुंबई में टला बड़ा हादसा

5 मंजिला इमारत का बड़ा हिस्सा गिरा

अंदर फंसे 40 लोगों को सही सलामत किया गया रेस्क्यू

दै. मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। दक्षिण मुंबई के फोर्ट इलाके में शुक्रवार को सुबह पांच मंजिला एक इमारत की तीसरी मंजिल की छत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिसके बाद कम से कम 40 लोगों को बचा लिया गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वजू कोटक मार्ग पर आशापुरा इमारत में हुए हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

इमारत में रिपेयर का काम था जारी

म्हाडा की यह इमारत 40 से 45 साल पुरानी है और इसके अंदरुनी हिस्सों में मरम्मत की जरूरत है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब इमारत में रिपेयरिंग का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, इमारत के तीसरी और चौथी मंजिल के स्लैब्स गिरा है। बरसात को देखते हुए मनपा कई इमारतों को रिपेयर करवा रही है।

पायल रोहतगी गिरफ्तार

एक्ट्रेस पर अहमदाबाद में सोसायटी के चेयरमैन को धमकी देने, गाली-गलौज करने का आरोप, पड़ोसियों ने भी की थी शिकायत

अहमदाबाद। अक्सर विवादों में रहने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस पायल रोहतगी को अहमदाबाद पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। पायल पर आरोप है कि उन्होंने सोसायटी के चेयरमैन से विवाद होने के बाद सोशल मीडिया में अश्लील शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि बाद में पोस्ट डिलीट कर दी थी। पायल पर सोसायटी के चेयरमैन को जान से मारने की धमकी देने और सोसायटी के लोगों से छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने के भी आरोप हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शांति और विकास के लिए

संवाद एक सतत प्रक्रिया है, इसका होना और जारी रहना ही अपने आप में सफलता है। जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास की पहल को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में हुई बातचीत स्वागतयोग्य है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद खास तौर पर घाटी में जो तल्खी दिखी, उसका समाधान संवाद से ही संभव है। घाटी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य दिग्गज मंत्रियों, नेताओं की बातचीत पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाह है। बहुत दिनों से यह मांग उठ रही थी कि केंद्र सरकार को कश्मीरी नेताओं से बातचीत करनी चाहिए। इस मांग के प्रति केंद्र ने उदारता दिखाई है और प्रधानमंत्री की इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के आठ राजनीतिक दलों के करीब 14 नेता शामिल हुए हैं। इनमें से ज्यादातर नेता वे हैं, जिन्हें अनुच्छेद 370 हटाए जाने के दौरान नजरबंद कर दिया गया था। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटाए जाने के बाद निस्संदेह यह एक बड़ी सकारात्मक राष्ट्रीय घटना है। कश्मीरी नेताओं के साथ पीएम मोदी की यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे घाटी का राजनीतिक भविष्य तय होगा। जरूरी नहीं है कि एक ही बैठक में अमन-चैन वाले जम्मू-कश्मीर का नया रोडमैप तय हो जाए, बैठकों का दौर जारी रहना चाहिए। इसमें कोई शक की बात ही नहीं कि कश्मीरी नेताओं को नई दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार पर भरोसा है और तभी यह महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो रही है। अब यह केंद्र सरकार के जिम्मे है कि वह घाटी के दिग्गज नेताओं को कैसे विकास और लोकतंत्र की प्रक्रिया में व्यस्त रखती है। यह बातचीत प्रमाण है, नजरबंदी और आतंकवाद के भयानक दौर से हम निकल आए हैं। जम्मू-कश्मीर की स्थिति को बदले करीब दो साल हो चुके हैं और इस बीच कोई ऐसी बड़ी नकारात्मक घटना नहीं हुई है, जिससे लगे कि देश का यह अटूट क्षेत्र गलत दिशा में जा रहा है। कश्मीर के नेता भी अपने देश को लेकर चिंतित हैं। अलगाववाद की राह पर चलने और लोकतंत्र की धारा से अलग रहने पर उन्हें भी नुकसान है, ऐसे में, सब चाहेंगे कि घाटी में राजनीतिक प्रक्रिया फिर शुरू हो। यह बहुत अच्छी बात है कि बैठक में पहले केंद्र सरकार ने एक प्रस्तुति के माध्यम से यह बताने की कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में कैसे विकास कार्य चल रहे हैं। केंद्र सरकार अगर विकास की पहल से भी घाटी के नेताओं को जोड़ सके, तो अच्छा होगा। राजनीतिक स्तर पर फिर से राज्य का दर्जा पाने के लिए तो कश्मीर के नेताओं को केंद्र सरकार के प्रति गंभीरता का प्रदर्शन करना होगा। केंद्र सरकार ने पहले भी संकेत दिए हैं कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटा दिया जाएगा। अगर राज्य का दर्जा लौटाने के आग्रह के साथ घाटी के नेता नई दिल्ली आए हैं, तो उनका स्वागत है, लेकिन अगर उनकी मंशा पड़ोसी मुल्क को भी वार्ता में शामिल करने पर ज्यादा होगी, तो इससे कोई फायदा नहीं होगा। ध्यान रखना होगा कि संवाद की राह काफी समय बाद प्रशस्त हुई है, अतः इसे अगंभीर, हल्की या किसी उग्र टिप्पणी से आहत नहीं होने देना चाहिए। आने वाले समय में ऐसी बैठकों का विस्तार हो, ज्यादा से ज्यादा संबंधित दलों-पक्षों को साथ लिया जाए और शांति-विकास की पहल हो, इसी में देशहित है।

बड़े चुनाव सुधारों की जरूरत

वैसे तो इस समय अनेक चुनाव सुधारों की जरूरत है। खुद चुनाव आयोग में कई तरह के सुधार जरूरी हैं। आयोग ने पिछले कुछ समय में जैसे जैसे फैसले किए हैं और इन फैसलों की वजह से उसकी जैसी छवि बनी है उसे देखते हुए यह जरूरी है कि इस संवैधानिक संस्था के पूरे ढांचे में आमूलचूल बदलाव किया जाए। सबसे पहला बदलाव तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में करने की जरूरत है, जिसकी विसंगतियों की ओर पिछले कई सालों से ध्यान दिलाया जा रहा है। अभी केंद्र सरकार की मर्जी से चुनाव आयुक्त नियुक्त होते हैं। आमतौर पर रिटायर हो चुके या रिटायर होने की कगार पर पहुंचे अधिकारियों की अनुकंपा नियुक्ति चुनाव आयोग में होती है। जैसे उत्तर प्रदेश के एक रिटायर अधिकारी को हाल में चुनाव आयुक्त बनाया गया है। उनकी नियुक्ति के साथ ही तीनों आयुक्त एक ही राज्य- उत्तर प्रदेश के हो गए हैं।

संवैधानिक रूप से इसमें कोई खामी नहीं है लेकिन नैतिक रूप से यह फैसला सवालों के घेरे में है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना संवैधानिक व्यवस्था की अहम जरूरत होती है। अगर तीसरे चुनाव आयुक्त के रूप में अनूप चंद्र पांडेय को नियुक्त करने की कोई संवैधानिक मजबूरी होती या वरिष्ठता के हिसाब से उनकी नियुक्ति अनिवार्य होती तब बात समझ में भी आती लेकिन ऐसी किसी अनिवार्यता के बावजूद सरकार ने उनको नियुक्त किया। सरकार ने इस बात का भी ख्याल नहीं रखा कि अगले साल उत्तर प्रदेश के चुनाव हैं और उससे पहले तीनों चुनाव आयुक्तों का उसी राज्य से होने का संयोग सवाल खड़े करेगा। पश्चिम बंगाल में आठ चरण में विधानसभा चुनाव कराने का चुनाव आयोग का फैसला भी आयुक्तों की तटस्थ, निष्पक्ष और मेरिट आधारित नियुक्ति की जरूरत को रेखांकित करता है। बहरहाल, चुनाव आयोग में सुधारों के साथ साथ अभी एक अहम जरूरत दलबदल कानून में सुधार की है। भारत में पहली बार दलबदल कानून

1985 में बना था और फिर उसमें 2003 में संशोधन किया गया। दोनों बार तात्कालिक स्थितियों को ध्यान में रख कर इस कानून का स्वरूप तय किया गया। कानून बनाने वालों ने कई संभावित पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया या उसकी कल्पना नहीं की। जैसे पहले कानून में किसी भी सदन के लिए चुने हुए सदस्य की अयोग्यता की शर्तें तय करते हुए सिर्फ इतना कहा गया कि उक्त सदस्य बचे हुए कार्यकाल में मंत्री पद या लाभ का कोई भी दूसरा राजनीतिक पद हासिल करने के अयोग्य होगा। लेकिन इस बारे में कोई प्रावधान नहीं किया गया कि अगर कोई सदस्य अपने पद से इस्तीफा देता है और दूसरी पार्टी से दोबारा चुन कर आ जाता है तो क्या होगा? ध्यान रहे पार्टियों में टूट और दूसरी पार्टी में विलय की प्रक्रिया को बहुत जटिल बना दिया गया है। इस वजह से कम से कम बड़ी पार्टियों में सीधे विभाजन की आशंका लगभग खत्म हो गई है। लेकिन बड़ी पार्टियों से भी इस्तीफा देने और दोबारा चुनाव जीत कर या चुनाव जीते बगैर कहीं मनोनीत होकर लाभ का पद हासिल करने की छूट मिली हुई है। अगर इसे ठीक नहीं किया जाता है तो दलबदल कानून का पूरा मकसद विफल हो जाएगा। चाहे वाईबी चव्हाण की अध्यक्षता में 1967 में बनी कमेटी हो या 2003 में प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता में बनी कमेटी हो, जब भी दलबदल के बारे में चर्चा हुई तब बड़े राजनीतिक और संवैधानिक सवाल भी उठाए गए। दलबदल की वजह से सरकारों के अस्थिर होने के मसले पर गंभीरता से विचार किया गया तो यह भी माना गया कि दलबदल जनादेश के साथ विश्वासघात है और मतदाताओं का अपमान है। आखिर मतदाता सिर्फ किसी उम्मीदवार के व्यक्तित्व पर मतदान नहीं करते हैं। वे राजनीतिक दल, उस दल के वैचारिक रूझान और नीतियों आदि का भी ख्याल रखते हुए मतदान करते हैं। बड़े चुनाव सुधारों की जरूरत के तहत इन दोनों कमेटियों ने नेताओं की निजी वैचारिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी के पहलुओं पर भी विचार किया, जिसके आधार पर आज तक दलबदल को जायज ठहराया जाता है। किसी समय यह क्रांतिकारी विचार था कि अगर कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी की नीतियों से सहमत नहीं है तो वह पार्टी के साथ साथ सदन की सदस्यता से इस्तीफा देकर अलग हो सकता है। लेकिन अब यही क्रांतिकारी विचार एक प्रतिगामी या प्रतिक्रियावादी विचार में तब्दील हो गया है। भारतीय राजनीति ऐसी अनेक घटनाओं की गवाह रही है, जब एक पार्टी के चुने हुए प्रतिनिधियों ने पार्टी छोड़ दी और दूसरी पार्टी की टिकट से चुनाव जीत कर वापस उसी सदन में आ गए और मंत्री भी बन गए। जो नहीं जीत सके उन्हें लाभ के किसी दूसरे राजनीतिक पद पर नियुक्त कर दिया गया। और इस तरह दलबदल के पूरे कानून को मजाक बना दिया गया। कर्नाटक में 2019 में इसी तरह से कांग्रेस और जेडीएस के 17 विधायकों से इस्तीफा करा कर सरकार गिराई गई थी और 2020 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस के 22 विधायकों से इस्तीफा करा कर कांग्रेस की सरकार गिराई गई। बाद में इस्तीफा देने वाले विधायक भाजपा की टिकट पर चुनाव जीते, जिनमें से कई लोग मंत्री भी बने। राजनीति से पूरी तरह अनभिज्ञ व्यक्ति भी बता सकता है कि इसके पीछे कोई वैचारिक कारण नहीं था, बल्कि नेताओं की निजी महत्वाकांक्षा की वजह से यह दलबदल हुआ। यह प्रक्रिया अलग तरह से पश्चिम बंगाल में दोहराई जा रही है। भाजपा के विधायक सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में जा रहे हैं। थोड़े से अपवादों को छोड़ दें तो आमतौर पर इस तरह का दलबदल हमेशा सत्तारूढ़ दल को फायदा पहुंचाने के लिए होता है। अरुणाचल प्रदेश से लेकर कर्नाटक और मध्य प्रदेश तक दलबदल का फायदा केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को मिला। इन राज्यों से अलग भी दलबदल का फायदा आमतौर पर भाजपा को ही मिला है।

दुशांबे में वे यह मौका क्यों चूके?

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में हुई शांघाई सहयोग संगठन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक काफी सार्थक रही। सबसे पहली बात तो यह अच्छी हुई कि भारतीय और पाकिस्तानी प्रतिनिधियों के बीच कोई कहा-सुनी नहीं हुई। पिछली बैठक में हमारे प्रतिनिधि अजित दोभाल को बैठक का बहिष्कार करना पड़ा था, क्योंकि पाकिस्तानी नक्शे में भारतीय कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया था लेकिन इस बार ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। ताजिकिस्तान इस वर्ष इस संगठन का अध्यक्ष है। वह मुस्लिम बहुल राष्ट्र है। उसके राष्ट्रपति ई. रहमान ने अपने भाषण में आतंकवाद, अतिवाद, अलगाववाद, अंतरराष्ट्रीय तस्करी और अपराधों की भर्त्सना तो की ही है, उनसे भी ज्यादा मजहबी उग्रवाद की की है। आश्चर्य है कि पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने इस बयान पर कोई एतराज नहीं किया। मजहब के नाम पर दुनिया में यदि कोई एक राष्ट्र बना है तो वह पाकिस्तान है। इस मजहबी जोश के कारण ही आज पाकिस्तान बेहद परेशान है। लाहौर के जौहर

टाउन इलाके में ताजा बम-विस्फोट इसका प्रमाण है। पिछले कुछ वर्षों में आतंकवादियों की मेहरबानी से जितने लोग भारत और अफगानिस्तान में मारे गए हैं, उनसे कहीं ज्यादा पाकिस्तान में मारे गए हैं। पाकिस्तान के नेताओं और फौजी अफसरों को अब शायद अपनी गलती का अहसास हो रहा है। इसीलिए अफगानिस्तान में भी वे शांति की बातें कर रहे हैं। उनका बार-बार यह कहना कि वे अफगानिस्तान में भी आतंकवाद का विरोध करते हैं, यदि सचमुच यह सच है तो मुझे आश्चर्य है कि दुशांबे में दोभाल और यूसुफ ने आपस में दिल खोलकर बात क्यों नहीं की? यह मौका वे क्यों चूके? यदि यूसुफ को कुछ झिझक थी तो दोभाल को पहल करने में कोई बुराई नहीं थी। आखिर, पूरे दक्षिण एशिया की शांति, सुरक्षा और समृद्धि की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा किस की है? भारत की है। दुशांबे में अफगानिस्तान के सवाल पर सभी राष्ट्रों ने इस बैठक में बहुत ज्यादा ध्यान दिया। क्या ही अच्छा होता कि शांघाई सहयोग संगठन संयुक्तराष्ट्र संघ से मांग करता कि अमेरिकी वापसी के बाद अफगानिस्तान में जो शांति-सेना भेजी जाए, उसमें भारत और पाकिस्तान के सैनिक प्रमुख रुप से हों। उनमें दक्षिण और मध्य एशिया के सैनिकों को भी जोड़ा जा सकता है। अमेरिका, रुस और चीन के सैनिकों से अफगान नेताओं को एतराज हो सकता है लेकिन सभी पड़ौसी देश तो महान आर्यावर्त्त परिवार के अभिन्न अंग ही हैं। भारत सरकार के कुछ अफसर गोपनीय तौर पर तालिबान से आजकल संपर्क करने लगे हैं, यह अच्छी बात है लेकिन उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि अजित दोभाल और पाकिस्तान के फौजी और गुप्तचरी नेताओं के बीच भी आजकल गुपचुप संपर्क बढ़ा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

नाम की लड़ाई में भूले महामारी

एयरपोर्ट का नाम बदलने को लेकर हजारों लोगों ने नवी मुंबई में किया प्रदर्शन, ताक पर कोरोना के नियम

दै. मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। नवी मुंबई में गुरुवार को नाम की लड़ाई में हजारों लोग महामारी को भूल गए। दरअसल, नवी मुंबई में बन रहे एयरपोर्ट को लेकर को यहां हजारों लोगों ने सड़कों पर उतर कर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम दिवंगत 'दिनकर बालू या डीबी पाटिल' एयरपोर्ट रखने की मांग की। सोशल डिस्टेंसिंग के नियम तोड़ते हुए लोगों ने कई घंटे तक यहां प्रदर्शन किया। कोरोना संक्रमण काल में हजारों लोगों का एक जगह जमा होना आने वाले समय में घातक हो सकता है। स्थानीय लोग और बीजेपी चाहती है कि एयरपोर्ट का नाम दिवंगत कार्यकर्ता 'डी बी पाटिल'

के नाम पर रखा जाए, लेकिन शिवसेना हवाई अड्डे का नाम पार्टी संस्थापक 'बाल साहब ठाकरे' के नाम पर रखना चाहती है। इसी बात को लेकर विरोध हो रहा है। आज डीबी पाटिल का स्मृति दिवस है। वे नवी मुंबई के बड़े किसान नेता माने जाते हैं। डी बी पाटिल ने एयरपोर्ट निर्माण से पहले उनकी जमीनों के अधिग्रहण के दौरान लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। विरोध करने वाले एयरपोर्ट के रास्ते पर मार्च करते हुए शहर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) भवन तक जाकर उसका घेराव करना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने पहले ही उन्हें वहां जाने से रोक दिया। जिसके चलते ये सभी बेलापुर के नवी मुंबई महानगर पालिका कार्यालय के सामने इकट्ठा होकर प्रदर्शन करने लगे।

हवाई अड्डे के निर्माण को रोकने की चेतावनी भी दी: प्रदर्शनकारियों ने सिडको प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और निगम से हवाई अड्डे का नाम शिवसेना के दिवंगत सुप्रीमो बाल ठाकरे के नाम पर रखने के प्रस्ताव को रद्द कर इसके बजाय 15 अगस्त से पहले इसका नामकरण डी बी पाटिल के नाम पर करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो वे हवाई अड्डे के निर्माण का कार्य रोक देंगे।

भारी संख्या में पुलिस बल की हुई थी तैनाती

भारी संख्या मे प्रदर्शनकारियों के जुटने की आशंका को ध्यान में रखते हुए, नवी मुंबई पुलिस ने पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए थे। पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मी, 500 अधिकारी एवं रिजर्व पुलिस बल इकाइयों को सिडको कार्यालय तक जाने वाली सड़कों पर तैनात किया गया था। प्रदर्शन के मद्देनजर पाम बीच रोड समेत विभिन्न मुख्य मार्गों पर वाहनों के आवागमन के लिए मार्ग परिवर्तित कर दिया गया था। प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल बाद में सिडको के प्रबंध निदेशक से मिला और अपनी लिखित मांग उन्हें सौंपी।

प्रदर्शन में यह नेता हुए शामिल

प्रदर्शन में पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर, वामपंथी नेता दशरथ पाटिल,कांग्रेस नेता हुसैन दलवई, नेता संजीव नायक, पूर्व विधायक जगन्नाथ पाटिल और मनसे विधायक राजू पाटिल ने भी हिस्सा लिया।

कोविड-19 : महाराष्ट्र तीन करोड़ टीके लगाने वाला देश का पहला राज्य बना

मुंबई। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए इस साल 16 जनवरी को राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से महाराष्ट्र तीन करोड़ कोविड -19 टीके लगाने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। राज्य के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) डॉ प्रदीप व्यास ने बताया कि महाराष्ट्र में बृहस्पतिवार तक टीके की 2,97,23,951 खुराकें दी गई थीं, जबकि तीन करोड़ का आंकड़ा शुक्रवार को दोपहर लगभग दो बजे तक पहुंच गया। उन्होंने कहा, 'दिन के दो बजे तक टीके की कुल खुराक की संख्या 3,00,27,217 तक पहुंच गई।'

डॉक्टर की पत्नी कोरोना पॉजिटिव घर में डॉक्टर चला रहे दवाखाना

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अमृतनगर 24 जून शरीफा रोड पर स्थित दवाखाना चला रहे डॉ अब्दुल सलाम यलोकर की पत्नी कोरोना पॉजिटिव होने पर भी यह डॉक्टर अपने दवाखाना पर मरीजों को देखने का काम कर रहे थे। गौरतलब बात यह है कि यह डॉक्टर की पत्नी भी डॉक्टर है नाम डॉक्टर सबिहा सलाम यलोकर जब कि यह दोनों पति पत्नी डॉक्टर हैं, क्या यह दोनों डॉक्टर को पता नहीं होना चाहिए कि अगर मेरी पत्नी कोरोना पॉजिटिव है तो मुझे भी होम कोरेंटिन होना चाहिए था। लेकिन फिर भी पैसा कमाने के लालच में दवाखाने पर आये मरीजों को दवा देने काम कर रहे थे। ऐसे

करके यह अपने जिंदगी के साथ-साथ मरीजों की जान भी जोखिम में डाल रहे थे। जहां एक ओर सरकार कोरोना से लड़ने के लिए जी जान से मेहनत कर रही हैं और वही इन जैसे डॉक्टर पैसा कमाने के लालच में मरीजो की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। मनपा प्रशासन के अधिकारी को इस बात की सूचना मिलते ही तुरंत स्वास्थ विभाग की टीम ने दवाखाने पर छापा मार दवाखाने को सील कर दिया और डॉक्टर को कड़ी चेतावनी देते हुवे कहा जब तक आप की पत्नी पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाती तब तक आप को होम कोरेंटिन रहेना पड़ेगा। यह लिखित रूप से स्वास्थ विभाग के अधिकारी ने लिखित रूप से लिया और कहा अगर आप ने सील तोड़ कर दवाखाने चलाने की कोशिश की तो आप पर सख्त कार्रवाई होगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस का खतरा

उन्होंने बताया कि राज्य में डेल्टा प्लस के वैरिएंट से रत्नागिरी में 9, जलगांव में 7, मुंबई में 2 और पालघर, ठाणे तथा सिंधुदुर्ग जिले में एक-एक मामला सामने आए हैं। टोपे ने बताया कि राज्य सरकार इस बात की छानबीन कर रही है कि क्या यह 'रिप्लेसमेंट ऑफ वायरस' हुआ है। क्या जिन्हें पहले से डेल्टा था अब डेल्टा प्लस हुआ है? डेल्टा को डेल्टा प्लस वायरस ने रिप्लेस किया है क्या? इन तमाम बातों की जांच में महाराष्ट्र की मेडिकल टीम जुटी हुई है। टोपे ने बताया कि इस पूरी जांच को महाराष्ट्र सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर कर रही है। डेल्टा प्लस वैरिएंट के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने फिर एक बार सभी शहरों में पाबंदियों को कड़ा कर दिया है। चीफ सेक्रेटरी सीताराम कुंटे के नए आदेश के मुताबिक, अब राज्य में लेवल 1 और लेवल 2 का दर्जा शहरों से समाप्त किया जाता है। अब सभी शहरों में लेबल 3 की पाबंदियां जारी रहेंगी। महाराष्ट्र में पॉजिटिविटी रेट घटकर 0.15 फीसदी पर आने के बावजूद रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा, सांगली, कोल्हापुर और हिंगोली, इन सात जिलों में कोरोना संक्रमण बढ़ने से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को कोरोना महामारी की राज्य में स्थिति पर एक समीक्षा बैठक की। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, मुख्य सचिव सिताराम कुंटे, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. प्रदीप व्यास, टास्क फोर्स के डॉ.संजय ओक और डॉ.शशांक जोशी सहित कई लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस बैठक में राज्य के सात जिलों में कोरोना संक्रमण बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए टेस्टिंग और वैक्सीनेसन बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर अभी तक पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है, इसलिए लॉकडाउन जैसी लगाई गई पाबंदियों से जल्दबाजी में जिला प्रशासन ढील न दें। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जारी जंग में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने की हिदायत देते हुए संभावित तीसरी लहर का मुकाबला करने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। इसके लिए जिला स्तर पर ऑक्सीजन, आईसीयू बेड्स बढ़ाने और फील्ड अस्पतालों की सुविधाओं का नियोजन अभी से करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. प्रदीप व्यास ने बताया कि रत्नागिरी में पहली लहर के वक्त सर्वाधिक 3,074 पेशेंट थे, जबकि दूसरी लहर में यह संख्या 5,600 हो गई। इसी प्रकार सिंधुदुर्गा में पहली लहर के वक्त 1,346 मरीज थे, जबकि इस वक्त 5,500, हिंगोली में पहली लहर में 660 थे जबकि दूसरी लहर में 675 पेशेंट हैं।

मुंबई में टला बड़ा हादसा

बचाव कार्य अब भी जारी थी। अधिकारी ने कहा, मरम्मत के दौरान तीसरी मंजिल की छत का बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे सीढ़ियों से आने-जाने का रास्ता बंद हो गया। कुछ महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 40 लोगों को बचा लिया गया है। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने इस पुरानी इमारत के मरम्मत का काम हाथ में लिया था। दमकल विभाग के कर्मियों के अलावा नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारी ने कहा, मुंबई नगर निकाय ने मलबे को हटाने के लिए श्रमिकों और मशीनरी प्रदान की है... म्हाडा इस बारे में फैसला करेगा कि इमारत को गिराना है या मरम्मत कार्य जारी रखना है।

पायल रोहतगी गिरफ्तार

चेयरमैन और सोसायटी के लोगों द्वारा दर्ज शिकायत के बाद पायल रोहतगी को अहमदाबाद सैटेलाइट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शिकायत में कहा गया है कि 20 जून को सोसायटी में एक मीटिंग हुई थी। रोहतगी इस मीटिंग की सदस्य नहीं थीं। इससे बावजूद वे बीच मीटिंग में पहुंच गई और बोलने लगीं। जब चेयरमैन ने उन्हें टोका तो सबके सामने ही चेयरमैन को गालियां देने लगीं। इसके बाद उन्होंने अपनी भड़ास सोशल मीडिया पर भी निकाली थी। जिसमें एक पोस्ट में चेयरमैन का नाम लिखते हुए उनके खिलाफ अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया था। पायल ने लिखा था कि चेयरमैन कोई फैमिली प्लानिंग नहीं करता। हमारी फैमिली के लिए कुछ सोचता ही नहीं है। ये हमारी सोसायटी में बस गुंडागर्दी करता है। हालांकि इस पर कुछ कमेंट आने के बाद रोहतगी ने पोस्ट डिलीट कर दी थी। सोसायटी के एक सदस्य और पेशे से डॉक्टर जयेश के मुताबिक पायल रोहतगी का रवैया बिल्कुल भी सभ्य नहीं रहता। वे छोटी-छोटी बातों पर किसी से भी भिड़ जाती हैं। इतना ही नहीं वे सोसायटी के बच्चों तक को नहीं छोड़तीं। अगर सोसायटी कंपार्टमेंट में बच्चे खेलते-कूदते और मस्ती करते नजर आते हैं तो वे कहती हैं कि अगर जरा सी भी आवाज आई तो नीचे आकर टांगें तोड़ दूंगी।

अलफैज खान हुए 'तेरे इश्क ने' म्यूजिक वीडियो से लॉन्च

मुंबई। नई नई प्रतिभासंपन्न नवोदित कलाकारों का बॉलीवुड हमेशा स्वागत करता है। अभिनय के प्रति दीवानगी ने अलफैज खान को एक्टर बनने पर मजबूर कर दिया। उन्हें एक म्यूजिक वीडियो 'तेरे इश्क ने' और एक शॉर्ट फिल्म में अभिनय करने का मौका मिला जो रिलीज हो चुकी है। इस वीडियो का निर्माण जॉइन फिल्म्स एकेडमी द्वारा किया गया है। इस गीत में अलफैज के साथ साक्षी सिंह की जोड़ी है जिसे अमन कुमार ने गाया है। इसके वीडियो के निर्देशक जगन्नाथ दास (जेडी), डीओपी साजिद खान, म्यूजिक डायरेक्टर अश्विन, गीतकार अमन कुमार, एडिटर भौतिक नंधा एवं निर्माता वीरेंद्र राठौड़, शिखा मल्होत्रा व अनूप मल्होत्रा हैं। इसके अलावा अलफैज दो एल्बम और दो वेब सीरीज में भी काम करने वाले हैं। मुंबई में जॉइन फिल्म्स एकेडमी एक स्थापित अभिनय संस्थान है जहाँ से प्रशिक्षित कलाकार फिल्म, टीवी, वेब सीरीज में अपने अभिनय का डंका बजा रहे हैं। कोटा, राजस्थान के रहने वाले अलफैज खान ने भी जॉइन फिल्म्स एक्टिंग एकेडमी को जॉइन कर अभिनय को बारीकियों को सिखा है। उन्हें बचपन से ही फिल्मों से बेहद लगाव था। फिल्में देख देखकर उनके मन में अभिनेता बनने की इच्छा जागृत हुई। वह बॉलीवुड के बहुमुखी बेजोड़ अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के जबरदस्त फैन हैं और उनकी अभिनय प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हैं। अभी वह बारहवीं कक्षा के छात्र हैं फिर भी उन्हें बहुत जल्दी चांस मिल गया। अलफैज ने बताया कि अभी मेरे घरवाले मुझे पूरी तरह सपोर्ट नहीं कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि सबसे पहले मैं अपनी पढ़ाई पूरी कर लूँ। मैं भी घरवालों की इच्छा का सम्मान करता हूँ और अभिनय के साथ साथ ग्रेजुएशन भी कंप्लीट करूंगा।

हम साथ-साथ हैं का दावा या महा अघाड़ी गठबंधन पर संकट?

शरद पवार के बयान से हलचल तेज

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कुछ दिन पहले खुद के दम पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी। पटोले के इस बयान पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने अपनी नाराजगी जताई। पर अब नाना पटोले को महा अघाड़ी गठबंधन में सहयोगी एनसीपी के सुप्रीमो शरद पवार का साथ मिल गया है। पवार ने इसे महज कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाने वाला बयान करार दिया है। एनसीपी चीफ शरद पवार का कहना है कि हर राजनीतिक दल को अपना विस्तार करने का अधिकार है। हम भी अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की ऊर्जा बढ़ाने के लिए ऐसे बयान देते हैं। शरद पवार ने आगे कहा कि अगर कांग्रेस (अपनी पार्टी का विस्तार करने के लिए) ऐसा कुछ कहती है (अगला विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के लिए) तो हम इसका स्वागत करते हैं क्योंकि यह उनका अधिकार है। मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप ने भी पटोले की सुर में सुर मिलाए थे। पटोले मुख्यमंत्री बनने की इच्छा भी जता चुके हैं। उनके इन बयानों को लेकर शिवसेना चीफ और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पिछले दिनों नाराजगी जताई थी। शिवसेना के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ठाकरे ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस पर हमला बोला था।

खुद पृथ्वीराज चव्हाण को आगे आकर देनी पड़ी थी सफाई: नाना पटोले के बयान पर उठे विवाद को शांत करने के लिए पृथ्वीराज चव्हाण आगे आना पड़ा था। उनका कहना था कि कांग्रेस ने शिवसेना और एनसीपी के साथ मिलकर यह गठबंधन इसलिए बनाया था ताकि बीजेपी को महाराष्ट्र की सत्ता से दूर रखा जा सके। ऐसे में कांग्रेस की तरफ से समर्थन वापस लेने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। अगर हम यह कहते हैं कि हम केवल 288 में से सिर्फ 80 सीटों (एक तिहाई) पर चुनाव लड़ेंगे तो हमारे नेता और कार्यकर्ता दूसरी सीटों पर काम करने के लिए उत्साहित नहीं रहेंगे।

एकता जैन ने बांद्रा बैंडस्टैंड और उपवन झील, ठाणे में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

मुंबई। फिल्म और टीवी अभिनेत्री एकता जैन योग के प्रति उत्साही हैं और उन्हें योग करने में मजा आता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए, एकता जैन ठाणे में योग फिटनेस विशेषज्ञ काजल शाह से मिलने गई थी। उन्होंने काजल के साथ ठाणे के उपवन झील में सुबह-सुबह योग किया। एकता ने कहा, 'उपवन झील के पास योग का अभ्यास करना एक सुंदर अनुभव था। काजल और मैंने प्रकृति के साथ एक गहरा संबंध महसूस किया जब हमने योग दिवस मनाया।' फिर, एकता जैन अपने एक और पसंदीदा स्थान, बांद्रा बैंडस्टैंड गई और समुद्र के पास प्राणायाम और योग किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लहरों की आवाज बहुत पसंद है और उस आवाज के साथ मैंने प्राणायाम और योग किया। आम तौर पर, कोई भी घर पर योग करता है। लेकिन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए, मुझे लगा कि प्रकृति के बीच इसका अभ्यास करना सबसे अच्छा होगा। यह एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला अवसर था और मैंने इसका पूरा आनंद लिया। मैं सभी को शरीर की फिटनेस और मन की शांति के लिए योग करने की सलाह दूंगी।' एकता की आने वाली फिल्म खली बलि है जिसमे धर्मेंद्र, मधु, कायनात अरोड़ा, रजनीश दुग्गल ,राजपाल यादव और अन्य कलाकार हैं, शतरंज और त्राहिम फिल्म निर्देशक-निर्माता दुष्यंत प्रताप सिंह के साथ है । एकता जैन ने शतरज में एक पुलिस वाले और त्राहिमाम में एक वकील की भूमिका निभाई है। इसके साथ ही एकता ने एक इंटरनेशनल फिल्म की शूटिंग और डबिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद कर रही हूं कि 2021 में मुझे विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का मौका मिलेगा।'

10वीं में 90% अंक लाने पर मिलेंगे 2 लाख, अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिए नई योजना

मुंबई। राज्य की ठाकरे सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) विद्यार्थियों के लिए एक और नई योजना की घोषणा की है। एससी के जिस परिवार की सालाना आय ढाई लाख रुपये से कम होगी और विद्यार्थी 10वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक लाता है, तो उसे व्यावसायिक उच्च शिक्षा की तैयारी के लिए सरकार 2 लाख रुपये अनुदान देगी।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (बार्टी) की गत दिनों 30वें बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक हुई। बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे ने गुरुवार को बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को व्यावसायिक उच्च शिक्षा की तैयारी के 11वीं, 12वीं इन 2 साल के लिए एक-एक लाख रुपये अनुदान देगी यानी 2 साल में दो लाख रुपये मिलेंगे।

सरकारी बाबुओं के बच्चों को लाभ नहीं

बार्टी के महानिदेशक धम्मज्योती गजभिये ने बताया कि इस योजना का लाभ सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों के बच्चों को नहीं मिलेगा। योजना का फायदा वही उठा सकते हैं, जिनके पास आय और जाति का प्रमाण पत्र होगा। खास बात यह है कि इस योजना में लाभार्थियों की संख्या असीमित होगी।

मुंबई: फर्जी वैक्सीनेशन

खाली शीशियों में पानी भरकर लगा दिया टीका, जांच के लिए एसआईटी गठित

मुंबई। कांदिवली फर्जी वैक्सीनेशन केस में हर दिन एक नया खुलासा सामने आ रहा है! अब कहा जा रहा है कि खाली शीशियों में मिनरल वाटर यानी सादा पानी जल भरकर लोगों को को वैक्सीन लगाई थी! फर्जी वैक्सीनेशन घोटाले की जांच के लिए अब मुंबई पुलिस ने एसआईटी की टीम गठित की है। नकली वैक्सीनेशन मामले में गठित एसआईटी टीम की अगुवाई डीसीपी विशाल सिंह ठाकुर करेंगे। इस बीच कांदिवल फर्जी वैक्सीनेशन मामले में कांदिवली पश्चिम, चारकोप के एक निजी अस्पताल से दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अब तक कुल 8 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। आप को जानकारी देते हुए बता दें, कि महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को मुंबई हाई कोर्ट में बताया कि शहर में 2 हजार से अधिक लोगों को नकली वैक्सीन लगाई गई है। पुलिस को शक है कि शीशियों में पानी का उपयोग किया गया, अब नकली टीकाकरण रैकेट की जांच के लिए मुंबई पुलिस ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, मामले की जांच मुंबई पुलिस परिमंडल 11 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विशाल सिंह ठाकुर करेंगे। पुलिस को शक है, कि इन नकली वैक्सीनेशन अभियानों को अंजाम देने के लिए मुंबई के एक निजी अस्पताल से 38 शीशियों की खरीदी हुई है। साथ ही इस बात पर भी शक है, कि एक दवा कंपनी ने कई जगहों पर नकली वैक्सीनेशन अभियान चलाने के लिए खाली शीशियों का दुरुपयोग किया है। मुंबई पुलिस को एक डॉक्टर मनीष त्रिपाठी पर भी शक है, जो शीशियों की खरीदी में मदद करता था। मिली जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर मनीष त्रिपाठी ने अदालत में अपने बचाव के लिए अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है। इस मामले को लेकर मुंबई हाईकोर्ट में 25 जून को सुनवाई होगी। पुलिस का कहना है कि एक गैंग ने खाली शीशियों को एकत्र किया और फिर मुंबई में हीरानंदानी हेरिटेज हाउसिंग सोसाइटी सहित कई स्थानों पर उपयोग में लाया है। पुलिस सूत्रों को शक है, कि खाली शीशियों में पानी भरा हुआ था। पानी भरा फर्जी वैक्सीन लगाने वालों को कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ। इस बीच चारकोप में स्थित शिवम हॉस्पिटल के दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शिवराज और नीता पठारिया नाम के दो आरोपियों को नकली वैक्सीनेशन मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एंटीलिया केस: गिरफ्तार सचिन वझे पर कसा शिकंजा, एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति जमा करने के मामले में शुरू की जांच

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मुंबई पुलिस से बर्खास्त किए गए अधिकारी सचिन वझे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि यह खुली जांच एसीबी के महानिदेशक के आदेश पर शुरू की गई है। उन्होंने बताया, एसीबी अधिकारी वझे की चल एवं अचल संपत्ति की जांच करने के साथ ही उनकी संपत्ति के स्त्रोतों की जांच करेगी। वझे को 25 फरवरी को दक्षिण मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटकों से भरी एसयूवी रखने के मामले में और बाद में ठाणे निवासी कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में कथित भूमिका के लिए नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने इस साल मार्च में गिरफ्तार किया था।

वझे के खाते में मिले हैं डेढ़ करोड़ रुपए

अधिकारी ने बताया कि मामले में एनआईए की जांच के दौरान, वझे द्वारा शुरू की गए एक कंपनी के बैंक खाते में डेढ़ करोड़ रुपये मिले थे। यह बात भी सामने आई कि वझे ने पिछले कुछ दिनों में एक सहयोगी को कुल 76 लाख रुपए कथित तौर पर दिए थे। वझे की गिरफ्तारी के बाद, एनआईए ने विशेष अदालत को बताया कि वह इस राशि का स्त्रोत पता लगाना चाहती है और यह जांचना चाहती है कि वह खुद के लिए वसूली कर रहे थे या दूसरों के लिए। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि वह यह भी पता लगाना चाहती है कि वझे के स्तर के किसी अधिकारी के पास इतना पैसा कहां से आया। अधिकारी ने कहा, पूर्व में वझे के खिलाफ रिश्वतखोरी और आय से अधिक संपत्ति रखने की दो गुमनाम शिकायतें की गईं थी।

कांग्रेस का प्रधानमंत्री मोदी पर पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आपातकाल की 46वीं बरसी के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर से निशाना साधे जाने को लेकर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र को कुचलने और संविधान की धज्जियां उड़ाने वालों को उपदेश नहीं देना चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि आरएसएस ने '1975 और 2014 के आपातकाल' दोनों का समर्थन किया। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने आपातकाल पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी का हवाला देते हुए ट्वीट किया, दमन, उत्पीड़न और गला घोंटने के पर्यायवाची बन चुके प्रधानमंत्री ऐसी बात करते हैं। एक ऐसे प्रधानमंत्री जिन्होंने संसद को कमतर किया, संविधान की धज्जियां उड़ा दीं, संस्थाओं को ध्वस्त कर दिया, लोकतंत्र को कुचल दिया। ऐसे प्रधानमंत्री को उपदेश नहीं देना चाहिए, जिनके तहत सात वर्षों से भारत 'मोदी-जेंसी' में है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने ट्वीट किया, आधिकारिक रूप से लगाए और हटाए गए आपातकाल की स्पष्ट सीमाएं थीं, लेकिन आज हम जो देख रहे हैं वो उससे उलट है।

बुलढाणा हलचल

सोशल मीडिया पर महिला को बदनाम करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। सोशल मीडिया पर एक महिला को बदनाम करने के आरोप में नांदेड़ जिले के आरोपी को साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शेगांव के शिवाजी नगर की एक महिला ने शेगांव सिटी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने मकर संक्रांति पर अपने पति के फेसबुक अकाउंट पर ली गई एक तस्वीर शेयर की थी। इन तस्वीरों को शेयर करने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला द्वारा फेसबुक पर शेयर की गई तस्वीर के नीचे अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट कीं और मैसेंजर के जरिए महिला के पति के फेसबुक

अकाउंट पर नग्न अश्लील वीडियो और आपत्तिजनक तस्वीरें भेजीं। तलाशी के दौरान पता चला कि अश्लील फोटो भेजने वाले का नाम तात्याराव पीराजी वाघमारे रा, मंगलसंगवी, कंधार, नांदेड़ था।बदनामी के मामले में, महिला को शिकायत दर्ज करनी चाहिए। साइबर पुलिस द्वारा अपराध की जांच के बाद, साइबर पुलिस ने अज्ञात आरोपी की जानकारी के बिना आरोपी को तकनीकी रूप से ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया गया। सोशल मीडिया पर महिलाओं और युवाओं की बदनामी के मामले में संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं। ऐसी अपील साइबर पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप ठाकुर ने की है।

मामूली विवाद में युवक पर जानलेवा हमला

बुलडाणा। मामूली सी बात पर एक युवक पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर ने घटना 21 जून की सुबह 9 बजे स्थानीय साईं नगर इलाके में हुई। आरोपी युवक के खिलाफ बुलढाणा नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। घायल युवक का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर के साईनगर क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय दशरन प्रकाश सोनूने को उसकी पड़ोसी मीना संजय देशमुख ने कला महाविद्यालय के सामने बात करते हुए रोक लिया। मीना देशमुख के पुत्र आदित्य संजय देशमुख ने अचानक पीछे से आकर दशरना पर छाती में खंजर नामक घातक हथियार से हमला कर दिया। हमले में दशरना सोनू जखमी हो गया। और उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में प्रकाश लक्ष्मण सोनूने उम्र50 ईन्होने बुलढाणा सिटी पुलिस में दी गई शिकायत से पुलिस ने आरोपी आदित्य संजय देशमुख के खिलाफ दंड संहिता की धारा 324 के तहत मामला दर्ज किया है। बुलढाणा शहर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मधुबनी हलचल

चार दिन बाद भी बलवाईयों का नहीं पकड़ा जाना, नीतीश कुमार की पुलिस का शर्मनाक कारनामा: नजरे आलम

संवाददाता

मधुबनी। पिछले 21 जून को समस्तीपुर जिला के आधारपुर पंचायत का चकनिजाम गांव बलवाईयों की नजर रहा, देखते ही देखते बलवाईयों ने तीन लोगों की जान ले ली। हद तो तब हो गई जब पुलिस मुकदर्शक बनी रही और सारा मामला बलवाईयों ने पुलिस के सामने ही अंजाम दिया। सरकारी शिक्षिका सनोबर खातुन को जिस बेरहमी से मारा गया, उसके जिस्म के सारे कपड़े फाड़ दिए गए उससे से साबित होता है नीतीश कुमार की पुलिस पूरी तरह से बलवाईयों के आगे नतमस्तक हो गई थी या फिर बलवाईयों को समर्थन कर रही थी। श्रवण कुमार राय की हत्या के बाद बहुसंख्यक समुदाय के लागों ने जिस प्रकार से सनोबर खातुन और मो0 अनवर की हत्या कर दी उससे यह तो साफ है कि यह पूरा मामला अचानक से नहीं हुआ बल्कि पूरी प्लानिंग के तहत इस पूरी घटना को अंजाम दिया गया और फिर बाद में बलवाईयों ने खुदको फंसता देख इसे साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश की। श्रवण की जिसने भी हत्या की उसकी घोर निंदा करता हूं लेकिन यह जांच का विषय था कि श्रवण की हत्या किसने और क्यों किया? और श्रवण की हत्या के बाद पुलिस ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से आधारपुर में अविलंब सुरक्षा बल क्यों नहीं तैनात किया? अगर सुरक्षाबल अविलंब तैनात किया जाता तो शायद सनोबर खातुन और मो0 अनवर की जान बलवाई नहीं ले पाते। सनोबर खातुन की बेटी नुसरत के ब्यान के मोताबिक एक साजिश के तहत पूरे मामले को अंजाम दिया गया और मो0 हसनैन के घर में चलने वाले सी0एस0पी0 में

लूटपाट करने के लिए आए बलवाईयों ने मो0 हसनैन को बंधक बना लिया जब इसका विरोध किया गया तो उसपर भी जानलेवा हमला कर दिया गया, नुसरत प्रवीण जो सनोबर खातुन की बेटी है और पूरी घटना की चश्मदीद गवाह है उसने साफ साफ कहा कि सी0एस0पी0 लूटने आए सभी बलवाईयों ने हमारे घर में लूटपाट की, रूपया जेवर तक लूट लिया, घर के बाहर खड़ी गाड़ियों और घरों में आग लगा दिया गया साथ ही नुसरत ने यह भी कहा कि हमारी दो बहनों को भी बलवाइयों ने जान मारने की नियत से हमला किया और पानी में डूबोकर बहुत मारा, किसी तरह वो लोग जान बचा सकी। इन सारे मामलात को देखने के बाद यह तो स्पष्ट है कि बिहार में अब कानून का राज नहीं बल्कि दंगाईयों, बलवाईयों, अपराधियों का राज कायम हो गया है। नीतीश कुमार की पुलिस इन दिनों ऐसे ही लोगों को संरक्षण देने में लगी है इसी का परिणाम है कि आधारपुर में इतनी बड़ी घटना घटी और चार दिन बीत जाने के बाद एक भी बलवाईयों को पुलिस ने गिरफतार नहीं किया है। उक्त बातें मीडिया से करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्षर नजरे आलम ने कहा कि नीतीश कुमार की पुलिस का बिहार में लगातार शर्मनाक चेहरा देखने को मिल रहा है। चार दीन बीत जाने के बाद भी इतनी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले बलवाईयों को सुशासन बाबु की पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है ये बहुत अफसोसनाक मामला है। ऐसा लगता है कि पुलिस बलवाईयों के साथ मिली हुई है और जानबूझ कर गिरफ्तार नहीं कर रही है। सुशासन बाबु की जुबान भी खामोश हैं। श्री आलम ने बताया कि बलवाईयों की गिरफ्तारी नहीं होने के कारण इलाके में दहशत का माहौल है, लोग अपने अपने घरों में डरे सहमें हुए हैं, कुछ लोग जो गांव छोड़ कर भाग गए थे वो भी लौटकर नहीं आ रहे हैं। श्री आलम ने यह भी कहा कि इतनी बड़ी घटना पर सरकार की खामोशी चिंताजनक है, बहुसंख्यक बलवाईयों को बचाने में नीतीश कुमार की पुलिस लगी हुई है इसलिए नीतीश कुमार और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जाँच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से करवाए और बलवाईयों को जेल की सलाखों में डाले। श्री आलम ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले में राज्य सरकार के अल्पसंख्यक मंत्री तमाशा देख रहे हैं और अपने आका के कहने पर निंदा का ब्यान से काम चलाने की सोच रहे हैं। जब्कि अल्पसंख्यक मंत्री को चाहिए कि वह फौरन घटनास्थल पर जाए और मामले की निष्पक्ष जांच करवाए और दोषियों को सजा दिलवाए। सिर्फ गांव गांव जाकर नीतीश सरकार की झूठी तारीफ करने से अल्पसंख्यक वोट नहीं मिलने वाला है।

खुशहाली की ओर बढ़ रहा बिहार : विजय कुमार चौधरी

समस्तीपुर। विद्यापतिनगर में बिहार सरकार के शिक्षा सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार तेजी से खुशहाली की ओर बढ़ रहा है। राज्य के हर इलाके में विकास की बयार बह रही है। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, आवास, पानी आदि की व्यवस्था कर अब शहरों की भांति बिहार के ग्रामीण इलाकों को भी स्मार्ट बनाने की कवायद तेजी से जारी है। ताकि विकास की परिपाटी को गति प्रदान की जा सके। वें प्रखंड के शेरपुर गांव निवासी जदयू नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता महमूद आलम, शबनम की पुत्री आफसाना के वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेने के उपरांत पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार आज शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति की राह पर अग्रसर है। वहीं सरायरंजन विधानसभा के हर इलाके का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर एक नजीर के तौर पर हो रहे हैं। मौके पर जदयू प्रदेश सचिव धीरेन्द्र कुमार सिंह, मो0 शहीदउद्दीन,एमए शबनम, यूथ बिग्रेड के संयोजक पदमाकर सिंह लाला, मो0 हैदर अली, पंसस मो0 अनवर हुसैन, नन्हें, सफरूद्दीन, मो0 नेहाल, लड्डन, जदयूअध्यक्ष हरेश प्रसाद सिंह, समाजसेवी हरिश्चंद्र पोद्दार, सुनील कुमार बमबम आदि मौजूद थे।

सम्भल हलचल

नरौली में मकान निर्माण करते वक़्त दीवार गिरी, उन्नीस वर्षीय युवती की मौके पर मौत

संवाददाता/अरमान उल हक

सम्भल। उत्तर प्रदेश के जनपद सम्भल की नगर पँचायत नरौली के मोहल्ला मकुपुरा में स्वर्गीय पूरन चंद्र शर्मा के पुत्र निर्माण कार्य करा रहे थे तभी अचानक निर्माण करते वक़्त साइड की दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी मोके पर पास में खड़ी उन्नीस वर्षीय युवती दीवार के मलबे में दबकर गम्भीर रूप से घायल हो गयी परिजन आनन फानन ही युवती को निजी चिकित्सक के यहाँ उपचार के लिए लेकर गए लेकिन डॉक्टर ने उपचार करते वक़्त ही युवती को मृत घोषित कर दिया हादसा वृहस्पतिवार की दोपहर

बारह से एक बजे के बीच मैं हुआ जिससे पारिवारिक सदस्यों में हड़कम्प मच गया परिवार के सदस्यों में गम की लहर दौड़ गई भाई बहनों का रो रोकर बुरा हाल है परिवार में मातम छा गया मृतक उन्नीस वर्षीय युवती तन्नू शर्मा सात भाई बहनों में तीसरे नम्बर की थी लगभग एक वर्ष पहले ही युवती के पिता की भी मौत हो चुकी है युवती की मौत के अलावा साठ वर्षीय बुजुर्ग भी गम्भीर रूप से घायल हो गया पुलिस को सूचना दिए बिना ही मृतक युवती का अन्तिम संस्कार कर दिया गया मृतक युवती भाजपा नेता सतेंद्र शर्मा की सगी भतीजी थी पुलिस से जब घटना के सम्बन्ध में जानकारी लेनी चाही तो मामला संज्ञान में नही होने के कारण जानकारी उपलब्ध कराने से मना कर दिया घटना भाजपा नेता के परिवार से जुड़ी होने के कारण मामले को दवाने में लग गया।

राजस्थान हलचल

मौत मुआवजा नही, न्याय मांगती है

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। नगर निगम व यूआईटी के अधिकारियों की लापरवाही कितने बैगुनाहो की बलि लेगी- शहरी क्षेत्र मे बिना इजाजत व विधि विरूद्ध निमाणी की अधिकारियों की सह परस्ती गगन चुम्‌ रहे है-शिकायत कर्ता के हाल पत्र लिखकर लिखकर बैहाल हो जाते मगर फितरत अधिकारी कर्मचारियो की नही बदलती समझौता कमेटी के ब्रह्मास्त्र का तोड़ किसी के पास नही,हालत ये है कि बिना इजाजत निर्माण पहले शुरू होता इजाजत तामीर की पत्रावली बाद मे प्रस्तुत होती है, इन भवन निर्माण मे सामग्री ऐसी निम्न स्तर की होती है कि परिणाम सबके सामने आता है-निगम व न्यास के सिपहसालार की देख रेख मे बहु मंजिला इमारतो मे दुर्घटना कब हो जाये किसी को चिन्ता नही - क्योकि-आखिर मे कमेटी गठित ही होना होता है-चाहे कितनों की बै-मौत हो जाये आखिरी निदान न्याय नही - मुआवजा है-लाशों की कीमत लाखों नही -अधिकारियो की लापरवाही-अकर्मण्यता -भ्रष्टाचार की भेट मजदूर क्यों? इसका जवाब ना जिला प्रशासन के पास ना पुलिस प्रशासन के पास - मजदूर के पास खोने के लिए मौत है पाने के लिए मुआवजा-ये कब तक-निर्माण की नींव के समय ही नियमों की पालन हो तो- किसी का बेटा- बाप - पति -भाई- नही काल के ग्रास मे नही जायेगा।

अलग-अलग शहरों के हस्पतालों में मानव सेवा समिति के सेवादारों ने 14 यूनिट रक्तदान किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। मानव हो मानव को प्यारा, एक दूसरे का बनो सहारा₹ के रास्ते पर चल रही सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था मानव सेवा समिति के सेवादारों द्वारा पूरे भारत में रक्तदान की सेवा की जा रही है जिसके तहत आज इस संस्था के सेवादारों ने भारत के अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग मरीजों के लिए 14 यूनिट रक्तदान कर मानवता की भलाई का परिचय दिया। जानकारी देते हुए संस्था के सेवादार सुभाष मानव ने बताया कि आज सिविल हस्पताल अबोहर तथा सिविल हॉस्पिटल श्री गंगानगर में दाखिल अलग-अलग मरीजों को ईलाज

के दौरान आपातकालीन परिस्थिति में रक्त की जरूरत पड़ने पर मरीजों के परिजनों द्वारा रक्त लेने के लिए संस्था के कार्यालय में फोन किया गया, जिस पर संस्था के कार्यालय में तैनात स्टाफ द्वारा संस्था के रक्तदानी सेवादारों को फोन करके तुरंत ब्लड बैंक में पहुंचकर रक्तदान करने के लिए सूचित किया गया, जिस पर संस्था के रक्तदानी सेवादारों अमीर कंबोज चेयरमैन मानव सेवा समिति, पंकज कुमार, नागेंद्र विज, पुनीत, विकास गुप्ता, दिलराज सिंह, रमन मेहरा, तुलसीदास, सुरिंदर कुमार, दविंदर सिंह, परमजीत सिंह, जतिंदर सक्सेना, सोनू बिश्नोई और संजय इंसा ने सिविल हस्पताल अबोहर तथा सिविल हस्पताल श्री गंगानगर के ब्लड बैंक में पहुंचकर 7 यूनिट ओ पॉजिटिव, 6 यूनिट ए पॉजिटिव और 1 यूनिट बी नेगेटिव (टोटल 14 यूनिट) रक्तदान कर मानवता की भलाई का परिचय दिया।रक्त मिलने पर मरीजों के रिश्तेदारों ने संस्था का तथा रक्तदानी सेवादारों का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि संस्था द्वारा इस महीने में अब तक करीब 100 यूनिट रक्तदान किया जा चुका है और आगे भी रक्तदान किया सेवा जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन संकेतों को ना समझें मामूली, विटामिन्स की कमी का करते हैं इशारा

किसी भी तरह की बीमारी लगने से पहले शरीर में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जिन पर हम कई बार ध्यान नहीं दे पाते और यह आखिर में बड़ी समस्या बन जाती है। उसी तरह शरीर में किसी भी विटामिन की कमी होने पर कोई न कोई संकेत देखने को मिलता है जिसे हम कई बार समझ नहीं पाते और शरीर बिमारियों की चपेट में आ जाता है। आज हम आपको विटामिन्स की कमी पर होने वाले संकेतों और इन विटामिन्स को पूरा करने के तरीके बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके हैल्दी जीवन बिता सकेंगे।

1. ड्राई स्किन होने पर

कई बार कुछ लोग ड्राई स्किन से बहुत परेशान होते हैं। वह इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए ब्यूटी क्रीम्स या फिर ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। बल्कि ड्राई स्किन विटामिन ई की कमी का संकेत होता है। इसकी पूर्ति के लिए आप पालक और बादाम का सेवन करें। इन दोनों में विटामिन ई काफी मात्रा में पाया जाता है।

2. ज्यादा मीठी चीजें खाने की दिलचस्पी

बार-बार मीठी चीजें खाने का मन करने पर शरीर में ग्लूकोज की कमी का लक्षण होता है। इसकी कमी होने पर ज्यादा मिठाईयां नहीं खानी चाहिए। अगर आपका भी मीठी चीजें खाने का मन करता है तो शहद का सेवन करें क्योंकि इसमें ग्लूकोज भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इस प्रॉब्लम में फ्रूट्स का भी खा सकते हैं।

3. अनिद्रा की समस्या

अगर आपको लेटने पर जल्दी नींद आती या फिर सोने में 1 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है तो आपको पोटाशियम की कमी हो सकती है। इसके अलावा पैर की मांसपेशियों में खिंचाव भी पोटाशियम की कमी के लक्षण है। इसकी कमी को दूर करने के लिए अपनी डाइट में केला, नारियल पानी और चुकंदर को शामिल करें। इसके अलावा तरबूज और खरबूजा भी इसके अच्छे स्त्रोत है।

4. बार-बार ठंडी चीजें या बर्फ खाने का मन होना

अगर आपका मन बार-बार बहुत ज्यादा ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, कुल्फी खाने या फिर बर्फ को मुंह में रखने का मन करने पर शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। अगर यह समस्या 2-3 महीने होने पर इसे आयरन डेफिशिएंसी एनिमिया माना जा सकता है। इस समस्या को दूर करने के लिए किशमिश, चना, मूंग खाएं।

5. मसूड़ों से खून निकलना

वैसे तो मसूड़ों में खून निकलने के बहुत कारण हो सकते हैं लेकिन इसका खास कारण शरीर में विटामिन सी की कमी भी होना है। इसकी पूर्ति के लिए खट्टे फल जैसे नारंगी, मौसंबी और नींबू का सेवन करें। आप इसका जूस बना कर भी पी सकते हैं।

वजन कंट्रोल करने के लिए पीते हैं गर्म पानी तो पहले जान लें ये 5 नुकसान

वजन को कंट्रोल में करने के लिए ज्यादातर लोग रोजाना गर्म पानी पीते हैं। इससे वजन कम होने के साथ-साथ पेट भी साफ होता है लेकिन ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर के अंदरूनी पार्ट्स डैमेज हो सकते है। दरअसल, पानी को गर्म करने से इसमें मौजूद मिनरल्स और पोटेशियम खत्म हो जाता है, जिससे शरीर को नुकसान पहुंचता है। इसकी जगह आप गुनगुना पानी पी सकते है। वहीं, अगर आप इसे मटके में डालकर पीते हैं तो इसको न्यूट्रिशन वापस मिल जाएंगे।

ज्यादा गर्म पानी पीने के नुकसान

ब्लड प्रेशर

अगर आपको ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है तो भूलकर भी गर्म पानी न पीएं। रोजाना गर्म पानी पीने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

अनिद्रा

रात को गर्म पानी पीकर सोने से नींद न आने की समस्या हो सकती है। अगर आप अनिद्रा से परेशान है तो इसका सेवन न करें। इससे स्लीप साइकल डिस्टर्ब हो जाता है।

किडनी के लिए हानिकारक

ज्यादा गर्म पानी पीने से किडनी सही तरह से काम नहीं कर पाती। इससे किडनी डैमेज भी हो सकती है।

सांस लेने में प्रॉब्लम

अगर आप अस्थमा के मरीज है तो गर्म पानी का सेवन न करें। इससे प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

मुंह में छाले

हम अक्सर सोचते हैं कि मसालेदार खाना खाने से मुंह में छाले होते है लेकिन इसका एक कारण अधिक गर्म पानी का सेवन करना भी है। ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर के इंटरनल पार्ट डिहाइड्रेट हो जाते है जिससे यह प्रॉब्लम होती है।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए अपनाएं ये घरेलू टिप्स

गर्मियों में अक्सर ज्यादातर लोगों के पैरी की एड़ियां फटने लगती हैं। फटी एड़ियों के कारण कई बार दूसरे लोगों के सामने शर्मिंदगी भी उठानी पड़ती है। इसके अलावा इस वजह से लड़कियां अपनी मनपसंदीदा सैंडिल भी नहीं पाती। पैरों की खूबसूरती वापिस पाने और एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए लड़कियां कई तरह के उपाय करती हैं। मगर इससे कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी फटी एड़ियों से राहत पा सकते हैं।

एड़ियां फटने का कारण

अनियमित खानपान
विटामिन ई की कमी
कैल्शियम
आयरन की कमी
पैरों पर अत्यधिक दबाव
सोरायसिस
एथलीट फुट
एड़ियों को कोमल बनाने के घेरलू उपाय

1. नारियल तेल

रोजाना रात को सोने से पहले नारियल तेल से पैरों की मालिश करें। मालिश करने के लिए 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल लें। इसको हल्का सा गर्म करें। अब तकरीबन 5 मिनट के लिए मालिश करें। लगातार 10 दिनों तक इस तेल को लगाने से एड़ियां मुलायम होने शुरू हो जाएंगी।

2. ग्लिसरीन और गुलाब जल

अगर आपकी एड़ियां बहुत ज्यादा फट गई हैं। तो उस पर गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर लगाएं। कुछ समय तक इस पेस्ट को एड़ियों पर लगा रहने दें। उसके बाद इसके गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन ऐसा करने के बाद आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. ओट और जोजोबा ऑयल

ओट और जोजोबा ऑयल को इक्ट्ठा करके लगाने से इसे एड़ियां मुलायम बनने के साथ ही पैर गौरे भी हो जाएंगे।

घुटनों के बल चलना शिशुओं के विकास के लिए है जरूरी, मिलते हैं ये 5 लाभ

शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है, तो मां-बाप को खुशी मिलती है। घर-आंगन में शिशु की किलकारियों और भाग-दौड़ से घर के सभी सदस्यों का मन लगा रहता है। घुटनों के बल चलकर ही बच्चा धीरे-धीरे खड़ा होना और अपने पैरों पर चलना सीखता है। घुटनों के बल चलना शिशु के लिए जरूरी है और प्रकृति ने ये नियम कुछ खास उद्देशयों से बनाया है। चलना सीखने की पहली सीढ़ी होने के साथ-साथ घुटनों के बल चलने से शिशु के शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं, जो उसके शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक विकास के लिए जरूरी होते हैं। आइये आपको बताते हैं कि घुटनों के बल चलने से शिशु को क्या लाभ मिलते हैं।

शरीरिक विकास के लिए

घुटनों के बल चलना शिशु के शारीरिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। चलने से शिशु की हड्डियों में मजबूती आती है और उनमें लचीलापन आता है जो शिशु को पैरों पर चलने, दौड़ने, शरीर को मोड़ने और घुमाना सीखने के लिए जरूरी है। इसलिए शिशु जब घुटनों के बल चलने लगे तो उसे प्रोटीन और कैल्शियम युक्त आहार देना चाहिए ताकि उसकी हड्डियां मजबूत बनें और शरीर तेजी से विकास कर सके।

प्राकृतिक नियमों की समझदारी

शिशु में प्राकृतिक नियमों की समझ के लिए भी

उसका स्वयं चीजों को करके सीखना जरूरी है। शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है, तो उसे गति और स्थिति के सामान्य नियमों की समझ आती है और वो बैलेन्स बनाना भी सीखता है।

दृष्टि और आंखों के नियमों की समझ

शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है तो उसकी दृष्टि क्षमता भी ज्यादा विकसित होती है। गोद में रहने के दौरान भी शिशु चीजों को देखता है लेकिन जब वो चलना शुरू करता है तो उसकी दूरी संबंधी समझ का विकास होता है।

वास्तव में देखा जाए तो शिशु के दिमाग में दुनियावी चीजों की समझ घुटनों के बल चलने के दौरान ही सबसे ज्यादा विकसित होती है। इसी समय शिशु का दायां और बांया मस्तिष्क आपस में सामंजस्य बनाना सीखता है क्योंकि इस समय शिशु एक साथ कई काम करता है जिसमें दिमाग के अलग-अलग हिस्सों का इस्तेमाल होता है। जैसे जब शिशु चलता है तो वो हाथ-पैर का इस्तेमाल करता है, आंखों का इस्तेमाल करता है, संवेगों का इस्तेमाल करता है और दूरी, तापमान, गहराई जैसी सैकड़ों चीजों की समझ उस समय वो इस्तेमाल करता है इसलिए ये दिमाग के हिस्सों के विकसित करने में मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अजय देवगन ने किया अपनी अगली फिल्म का ऐलान

अजय देवगन के फैंस के लिए गुड न्यूज है। एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म की अनाउंसमेंट कर दी है। आपको बता दे, अजय देवगन अब एक तेलुगु हिट फिल्म का रीमेक करने वाले है। उन्होंने अब अपनी अगली फि ल्म के लिए साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक से हाथ मिलाया है। अजय हिट तेलुगु फिल्म नांधी को हिंदी में रीमेक कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण अजय देवगन फिल्म्स, दिल राजू प्रोडक्शंस, कुलदीप राठौड़ और पराग देसाई मिलकर करेंगे। अभी फि ल्म के लिए निर्देशक और स्टार कास्ट तय नहीं हुए हैं। अजय ने यह जानकारी सोशल मीडिया में शेयर करके लिखा- आप सबके साथ एक अहम कहानी शेयर करने का वक़्त आ गया है। दिल राजू प्रोडक्शंस और अजय देवगन फिल्म्स तेलुगु हिट नांधी को हिंदी में रीमेक कर रहे हैं। आपको बता दे, ये फिल्म क्राइम कोर्टरूम ड्रामा है। कहानी सूर्य प्रकाश के ट्रायल पर आधारित है, जिसे एक कत्ल के इल्जाम में फंसाया गया है। अजय इस समय एक्टिंग के अलावा फि ल्म प्रोडक्शन में भी एक्टिव हैं।

कार्तिक की हीरोइन हो गई फाइनल!

साजिद नाडियाडवाला ने कुछ दिन पहले म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म सत्यनारायण की कथा को बनाने का ऐलान किया था, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। कार्तिक के अलावा किसी भी अन्य कलाकार का नाम घोषित नहीं किया गया। सभी जानने के लिए उत्सुक हैं कि इस फिल्म में कार्तिक की हीरोइन कौन होगी? तो आइए बताते हैं कि बॉलीवुड खबरचियों ने हमें इस बारे में क्या बताया। एक सूत्र ने कहा साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म का ऑफर सबसे पहले श्रद्धा कपूर को दिया है। स्क्रिप्ट उन्हें बहुत पसंद आई है और वह फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गई हैं। आने वाले दिनों में इस बात की घोषणा होगी। श्रद्धा और कार्तिक पहली बार साथ काम करेंगे। उनकी जोड़ी में ताजगी नजर आएगी। हालांकि यह मुख्य रूप से कार्तिक की कहानी है, लेकिन श्रद्धा का रोल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। श्रद्धा और कार्तिक को साथ में पहली बार लाने की कोशिश निमार्ता दिनेश विजन ने की थी, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। एक और फिल्म का ऑफर दोनों को मिला था, तब भी बात नहीं बनी थी। शायद इस बार यह जोड़ी जम जाए।

शेरनी का रोल निभाना काफी कठिन था: विद्या

विद्या बालन निश्चित रूप से भारतीय फिल्म उद्योग में एक ताकत है, जिन्होंने हमें बार-बार दिखाया है कि आप खुद ही अपनी सफलता की सीढ़ी को परिभाषित करते हैं। अपने करियर के 15 वर्षों में, अभिनेत्री ने विभिन्न अपरंपरागत कैरेक्टर्स पर काम किया है, जिसे समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यापक रूप से सरहाया गया है और अब, अमेजॅन प्राइम वीडियो की शेरनी में विद्या विंसेंट के साथ नया एडिशन है। 'शेरनी' में, जो अब अमेजॅन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम कर रहा है, हम विद्या को एक ऐसी महिला के रूप में देख रहे हैं जो बेहद कम बोलती है, को विद्या ने पूर्णता के साथ निभाया है। दर्शकों और आलोचकों ने इसके लिए अभिनेत्री की बहुत प्रशंसा की और उनके अभिनय कौशल की सराहना की है। इस बारे में बात करते हुए, विद्या ने साझा किया, विद्या विंसेंट के करैक्टर में बहुत सारी दिलचस्प परतें थीं, जो कि कुछ ऐसा था जिसे मैंने पहले कभी चित्रित नहीं किया था। उनके लिए शब्दों से ज्यादा उनका काम बोलता था। मुझे नॉन-एक्सप्रेशन वाले एक्सप्रेशन की एक्सरसाइज करनी पड़ी। मेरे एक्सप्रेशन को वह दर्शाना था जो मैं महसूस कर रही हूं। ऐसे लोग हैं जो पूरी तरह से समझ से बाहर होते हैं और मुझे लगता है कि यह करैक्टर उनमें से एक है। एक अभिनेता के रूप में यह एक अलग तरह का अनुभव था। वह आगे कहती हैं, विद्या विंसेंट जैसे किरदार को निभाना वास्तव में बहुत कठिन था। वह मितभाषी है, वह ज्यादा कुछ नहीं कहती है, और वह ज्यादा मुस्कुराती नहीं है, जो कि एक व्यक्ति के रूप में मैं नहीं हूं और न ही यह मैंने अब तक जितने भी किरदार निभाए हैं उनकी तरह है। मैंने जो किरदार निभाए हैं, वे सभी मजबूत हैं। जबकि विद्या की इच्छाशक्ति बहुत मजबूत है, लेकिन वह दुनिया से जुड़ना पसंद नहीं करती हैं।